**Today’s Poem – 24.09.2014**

**बाबा कहते हैं हम हैं धरती के चैतन्य सितारे**

**और सदा बापदादा के प्यारे**

**हमें सारे विश्व को रोशन करना**

**जगमग दीप जलाना**

**शिवबाबा हमारी कंचन काया कर देते**

**इसलिए उनकी महिमा गाते**

**आत्मा को कंचन बनाने के लिए एक-दो को सावधान करना**

**मनमनाभव का इशारा देना**

**इस बेहद के बने बनाये नाटक को अच्छी रीति समझकर स्वदर्शन चक्रधारी बनना**

**ज्ञान अजंन देकर मनुष्यों को अज्ञान के घोर अंधकार से निकालना**

**जो स्व का दर्शन करते हैं**

**वही सदा प्रसन्नचित, सर्व प्राप्ति के अधिकारी रहते**

**ब्राह्मण जीवन की विशेषता - प्योरिटी की रॉयल्टी**

**मेरा बाबा**

**ॐ शान्ति !!!**

****